



SEPTEMBER 2023

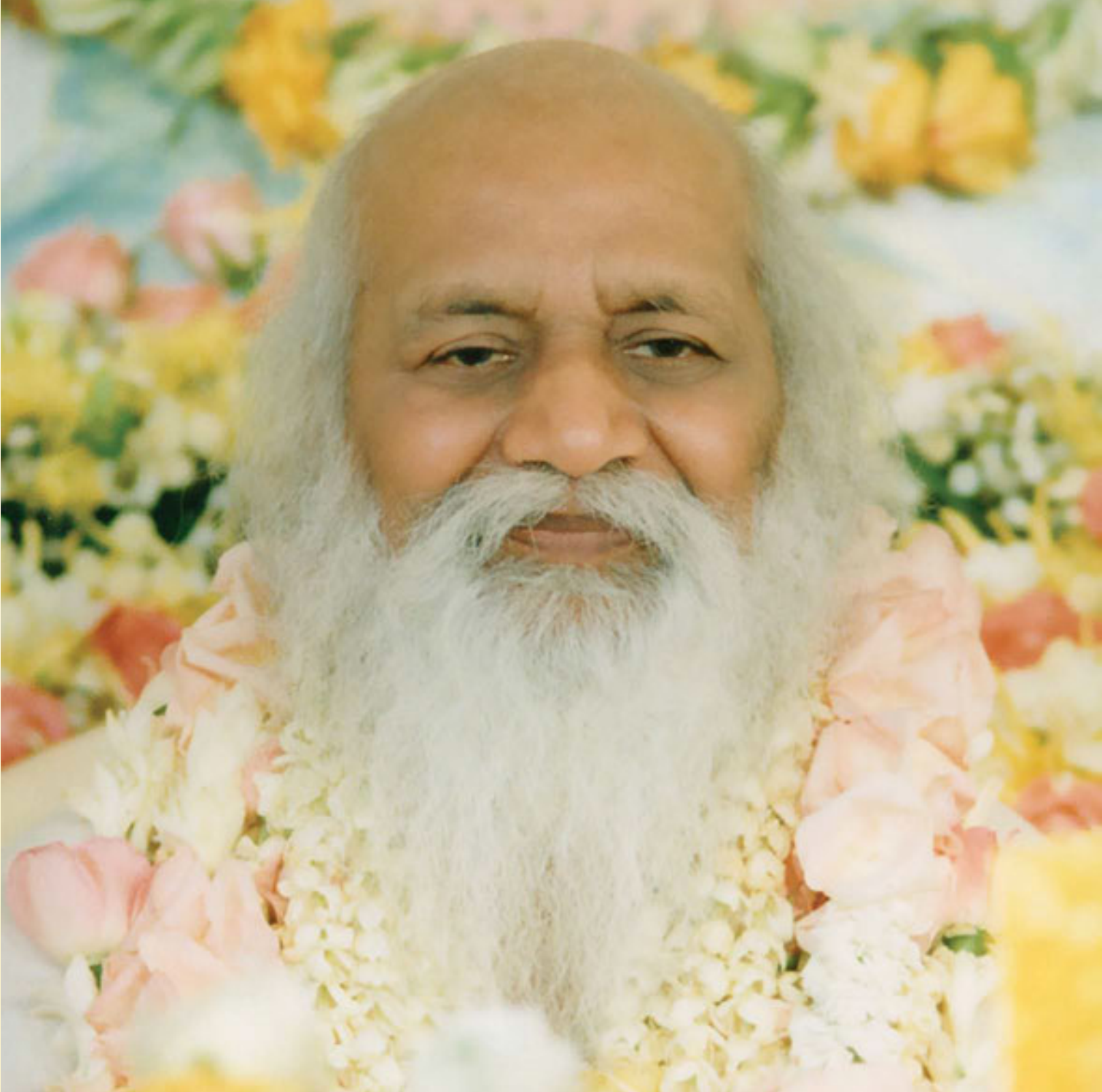
# E-GYAN

Monthly Newsletter of Maharishi Organisation – India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

अंक - एक सौ बहत्तर Volume - 172

Website : [www.e-gyan.net](http://www.e-gyan.net)





**ब्रह्मचारी गिरीश जी**  
अध्यक्ष, महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह

## समर्पित को सम्मान

एक राज्य के राजा भोजन कर रहे थे। अनेक सेवक भोजन परोस रहे थे। एक पुराने सेवक ने जब राजा को सब्जी परोसी तो सब्जी के कुछ छींटे राजा के कपड़ों पर आ गये। यह देख राजा क्रोधित हो गये। तभी सेवक भयभीत हो गया और आगे बढ़ा किंतु फिर वह वापस मुड़ा और अपने बर्तन की सारी सब्जी राजा पर ही फँक दी। अब तो राजा अत्यंत क्रोधित हो गया और बोला यह सब क्या है? मुझे मालूम है कि पहली बार सब्जी भूलवश मेरे कपड़ों पर गिर गई थी। परन्तु दूसरी बार तुमने जानकर मुझ पर सारी सब्जी फँक दी, ऐसा क्यों किया? सेवक ने अत्यंत शांत भाव से राजा से कहा जब मेरे द्वारा आपको सब्जी परोसने पर भूलवश कुछ छींटे आपके कपड़ों पर आ गये तो मुझे समझ आ गया कि आप अवश्य ही मुझे दण्ड देंगे। फिर मैंने सोचा कि लोग कहेंगे कि राजा ने एक छोटी सी गलती पर अपने पुराने सेवक को दण्ड दे दिया। यह सोच कर मैंने बाकी सब्जी भी आप पर डाल दी जिससे लोग आपको नहीं मुझे ही दुष्ट कहेंगे जिससे आपका अपयश नहीं होगा। सेवक के इस उत्तर में सेवक के गंभीर भावों का पता चला कि सेवक भाव कितना कठिन है और जो समर्पित भाव से सेवा करते हैं उससे भी कभी न कभी गलती हो सकती है, फिर चाहे वह सेवक हो मित्र हो या परिवार का कोई सदस्य। ऐसे समर्पित लोगों की गलतियों पर नाराज न होकर उनके प्रेम व समर्पण का सम्मान करना चाहिए। किसी घटना के बाद प्रायः हम सोचते हैं कि अगर अपनी बात को किसी और ढंग से रखते तो उसका श्रेष्ठ प्रभाव पड़ता। सदैव घटनाएँ घट जाने के बाद ही मनुष्य को इस प्रकार के विचार सहजता से आते हैं, यह अच्छी बात है। प्रायः हम सब अपने जीवन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना चाहते हैं एवं हम सब परफेक्ट बनने का प्रयास करते हैं, किंतु हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि परफेक्शन एक ऐसी धारणा है, जिसका कोई अंत नहीं है। समाज में आज श्रेष्ठता सिद्ध करने की निर्दयी प्रतियोगिता चल रही है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम के बचपन का एक सुंदर प्रसंग याद आता है। वह लिखते हैं कि एक रात्रि भोजन के समय उनकी माता ने पिता और उनके भाँजे की थाली में सब्जी और आंशिक जली हुई रोटी परोस दी। उस समय मेरी दृष्टि पिता की प्रतिक्रिया पर थी, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं कहा। थोड़ी देर बाद माँ ने रोटी के जलने के बदले

क्षमा माँगी। पिता ने सहजता से कहा 'मुझे तो जली हुई रोटी भाती है, तुम बिल्कुल चिंता मत करो।' मैंने उस रात पिता से सच्चाई जानने के लिए प्रश्न किया, 'क्या सच में आपको जली हुई रोटी भाती है?' प्रश्न सुनकर उन्होंने मुझे पास बिठाया और प्रेमपूर्वक समझाते हुए कहा कि 'देखो बेटा, जली हुई रोटी हृदय को नहीं जलाती, लेकिन तीखे बोल हृदय को अवश्य झुलसा जाते हैं।' व्यक्ति विचारता ही रहता है कि बुद्धि, शक्ति, सम्पत्ति, सम्बंध होते हुए भी ऐसा क्या कारण है, कि विफलता दृष्टिगत होती है? यही है 'मैं' वाली हवा की विडम्बना। ये जन्म से मृत्यु तक व्यक्ति को सुख-शांति से भ्रमित कर हमें नकारात्मकता की ओर धकेलती रहती है। कहते भी हैं न- 'मैं की हवा जिसे लगी, उसे फिर न औषधि लगी, न आशीष लगा।' अहंकार आज हमारे जीवन का सबसे प्रभावशाली प्रेरक बिंदु है, जैसे अग्नि धुएँ के आवरण में छुपी होती है, उसी प्रकार हमारी प्रत्येक क्रिया अहंकार से घिरी होती है। किंतु अहंकार की बेड़ियों को जो तोड़ पाता है, वह आनंद के विश्व में प्रवेश कर पाता है। समस्त प्रकृति में आनंद बिखरा हुआ है किंतु हमारी चेतना सुप्त है। सर्वप्रथम हमें भीतर झांकना होगा, स्वयं को भीतर से प्रदूषण मुक्त करना होगा। स्वस्थ मन, मस्तिष्क में स्वस्थ विचार जन्म लेते हैं किंतु हम मात्र शरीर को ऊपर से ही सुन्दर एवं आकर्षक बनाने का प्रयास करते हैं। क्यों और किसके लिए, दूसरों के लिये? अतः अपनी सुप्त चेतना को भावातीत ध्यान के प्रतिदिन प्रातः एवं संध्या के समय नियमित 15 से 20 मिनट के अभ्यास से आप इस सुन्दर व आनंदित प्रकृति का दर्शन एवं अनुभव कर अपने जीवन को आनंदमय बनाने का प्रयास करें "क्योंकि जीवन आनंद है।"

जय गुरुदेव, जय महर्षि जी



**Maha Nature**  
PREMIUM DHOOP STICKS

[/mahanatureindia](https://www.mahanatureindia.com) [www.mahanature.com](https://www.mahanature.com)

*Shri Krishna Govind Hare Murare*  
*Hey Nath Narayan Vasudeva*



**Wishing you all a very Happy**  
**Shri Krishna Janmashtami**

Celebrate Shri Krishna Janmashtami with  
**Maha Nature Premium Dhooop Sticks**







**Happy**  
**Janmashtami**

**For any consumer enquiry please call us: +91 9179042573**



## MRCC-2023 HYDERABAD REGION

Venue: Maharishi School of Excellence, Chennai

Maharishi Regional Cultural Celebration 2023 of Hyderabad region was held at Maharishi School of Excellence, Chennai on 1<sup>st</sup> and 2<sup>nd</sup> August 2023 with the blessings of Shri Guru Dev & His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji and under the guidance of Hon'ble Chairman MVM Schools Group Brahmachari Girish Ji. Nine MVM Schools participated via Online mode and the total number of participants were 188.

The inception day was evoked with the Divinity of Guru Parampara Pooja, followed by lighting of traditional lamp by the venue Principal and judges of various events of the day. Mesmerizing devotional songs- bhajans presented by the students of MSE Chennai filled the heart and ambiance with ebullience. To mark the beginning of cultural celebrations, all the participants were welcomed with a vibrant welcome dance by MSE students. Hon'ble Chairman MVM Schools Group message was played virtually, which ensured his gracious presence was not missed out throughout this programme. Shri C. D. Sharma blessed all the participants and extended his good wishes to the host school Principal and staff.



The venue Principal Dr. T. Suprabha Singh welcomed the gathering on the occasion of MRCC-2023, eloquently by paying her respects to His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, Hon'ble Chairman MVM schools group and national representative. She extended her heartfelt warmth to the dignitaries of MVM organisation, Principals of MVM school group, staffs and all students.

MRCC-2023 cultural events commenced with Group dance–Junior and senior category, followed by Musical Instruments, Orchestra-mixed group, on the spot painting, Science and Math Expo, Live Debate – in English in senior category. The eminent judges gave their general comments on the performance of all participants and they were felicitated with a memento. Day–1 MRCC-2023 concluded with a highly spirited live – Quiz Competition, in which school code G (MSE – Chennai) emerged as winner.

The concluding day of MRCC-2023, Hyderabad region began with Guru Parampara Pujan, followed by soothing devotional songs- Bhajans by the students of MSE Chennai. The scheduled cultural events were Yogasan, vocal, semi-classical song, patriotic group song-junior and senior category, live debate in Hindi and Sanskrit, followed by chanting of Shrimad Bhagavad Gita, and finally the recitation of Ramcharitmanas. The judges were overwhelmed by the vibrant performances of the participants which was evident, loud and clear through their appreciation showered on the achievers.



Post-lunch session of Day-2 was characterised by valedictory function, with a vivid dance performance by MSE students. Much awaited, thrilling part of the celebration was the announcement of results. On the declaration of results, the winners were commemorated and the participants were congratulated. Smt. Suprabha Singh declared that the winners of this MRCC-2023 Hyderabad region will participate in MNCC-2023, scheduled to be held in this year from 27-29 October 2023 in Bhopal.

Maharishi Regional Cultural Celebration concluded with vote of thanks. The Principal, staff and students expressed their heartfelt gratitude to Hon'ble Chairman MVM Schools Group Brahmachari Girish Ji for providing such wonderful opportunity for conducting MRCC-2023 virtually and rendering all the support for the successful completion of the event. The MRCC-2023 was completed with enthusiastic singing of National Anthem.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi



# PHOTO GALLERY OF MRCC HYDERABAD REGION-2023





## Presentation of Book titled "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish" to various dignitaries.



*Brahmachari Girish met Honorable Shri Pramod Joshi, CEO of Aastha Adhyatmic TV Channel. Both of them had a deep discussion on the current need for spiritual development in the Indian collective consciousness. Brahmachari ji presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" and requested to read it at his convenience, which Shri Joshi ji happily accepted. On this occasion, the CFO of Aastha Channel Mr. Pradeep Joshi and Mr. Jayesh also met.*



*Brahmachari Girish Ji met Honorable Shri Ravi Shankar Prasad Ji, former Union Minister, Present Member of Parliament and a very senior Lawyer of Supreme Court of Bharat. Shri Prasad gave many valuable suggestions for improvement of students and citizens of India based on Vedic knowledge. Brahmachari ji emphasised to raise coherence in collective consciousness of Bharat and presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" and requested to read it at his convenience. Shri Ravi Shankar Ji presented a replica of original Constitution of Bharat, which was published by the Ministry of Law.*

ब्रह्मचारी गिरीश जी ने भारत सरकार के पूर्व मंत्री, वर्तमान लोक सभा सदस्य व माननीय सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ प्रसिद्ध अधिवक्ता माननीय श्री रवि शंकर प्रसाद जी से भेंट की। श्री प्रसाद जी ने विद्यार्थियों तथा भारतीय नागरिकों के विकास के लिये अनेक उपयोगी सुझाव दिए। ब्रह्मचारी जी ने भारतीय सामूहिक चेतना में सतोगुण की अभिवृद्धि की वर्तमान आवश्यकता पर बल दिया। ब्रह्मचारी जी ने अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट करके सुविधानुसार इसे पढ़ने का अनुरोध किया। श्री रवि शंकर जी ने मूल भारतीय संविधान की एक प्रति भेंट की जिसे विधि मंत्रालय ने प्रकाशित किया है।

महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश

## "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish"



*Brahmachari Girish met Honorable Union Minister of Road Transport and Highways Shri Nitin Gadkari Ji. Nitin Ji have asked Girish Ji about current activities of Maharishi Organisation and expressed his joy and satisfaction on the progress. Girish Ji has emphasised the current need for increasing coherence in the Indian collective consciousness. Brahmachari ji presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" to Shri Gadkari Ji. He mentioned that the book has been also presented to him by MVM Bhandara Principal Smt. Shruti Ohale.*

ब्रह्मचारी गिरीश ने भारत सरकार के माननीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री माननीय श्री नितिन गडकरी जी से भेंट की। श्री नितिन जी ने महर्षि संस्थानों की वर्तमान गतिविधियों के विषय में सूचना प्राप्त की और प्रसन्नता व संतोष व्यक्त किया। ब्रह्मचारी जी ने भारतीय सामूहिक चेतना में सतोगुण की अभिवृद्धि की वर्तमान आवश्यकता पर बल दिया। ब्रह्मचारी जी ने अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट करके सुविधानुसार इसे पढ़ने का अनुरोध किया जिसे श्री गडकरी जी ने प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार किया। श्री गडकरी जी ने सूचित किया कि दो दिन पूर्व ही यह पुस्तक उन्हें महर्षि विद्या मंदिर भंडारा की प्राचार्य श्रीमती शुति ओहले ने भी भेंट की है।



*Brahmachari Girish met Honorable Shri Manoj Tyagi Ji, CEO of Sanskar TV channel and some other Spiritual TV Channels. Both of them had a discussion on the roll of spiritual/religious TV channels in India and both have agreed on current need to introduce more programmes of Vedic Science. Brahmachari ji presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" and requested to read it at his convenience, which Shri Tyagi ji happily accepted. Shri Tyagi Ji also gave a tour of his complete Sanskar channel studio and programme production centre.*

ब्रह्मचारी गिरीश ने संस्कार एवं कुछ अन्य आध्यात्मिक टीवी चैनल्स के सीईओ माननीय श्री मनोज त्यागी जी से भेंट की। दोनों ने भारतीय आध्यात्मिक चैनल्स की भूमिका पर विचार विमर्श किया और इन चैनल्स पर और आध्यात्मिक वैदिक ज्ञान विज्ञान के कार्यक्रमों के प्रसारण की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। ब्रह्मचारी जी ने अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट करके सुविधानुसार इसे पढ़ने का अनुरोध किया जिसे श्री त्यागी जी ने प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार किया। श्री त्यागी जी ने चैनल के कार्यक्रम के प्रोडक्शन सेंटर व स्टूडियो का भ्रमण भी कराया।



## महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश

### "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish"



*Brahmachari Girish Ji met Honourable Shri Dinesh Chandra Ji, Sanrakshak (Patron) of Vishwa Hindu Parishad. Honorable Dinesh ji is very simple, gentle, soft-spoken, knowledgeable about Indian Vedic wisdom and traditions and a serious thinker for the betterment of entire Hindu society. He kindly gave his valuable time to get information about Maharishi Ji's plans and programmes and extended his best wishes for the success of all the programmes. Brahmachari ji presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" and Shri Dinesh Ji had turned the pages immediately and assured for reading it.*

ब्रह्मचारी गिरीश ने विश्व हिन्दू परिषद् के राष्ट्रीय संरक्षक माननीय श्री दिनेश चंद्र जी से भेंट की। माननीय दिनेश जी अत्यंत सरल, सौम्य, मृदुभाषी, भारतीय ज्ञान एवं परम्पराओं के ज्ञाता व समस्त हिन्दू समाज के लिए गंभीर हित चिंतक हैं। आपने अपना बहुमूल्य समय देकर महर्षि जी की कार्य योजनाओं के विषय में सूचना प्राप्त की और समस्त कार्यक्रमों की सफलता के लिये अपनी शुभकामनाएँ प्रदान कीं। ब्रह्मचारी जी ने अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट की जिसका अवलोकन माननीय ने रुचिपूर्वक तुरंत किया।



*Brahmachari Girish Ji met Honourable Shri Alok Kumar Ji, President of Vishwa Hindu Parishad. Shri Alok Ji is also a very senior Lawyer in Hon'ble Supreme Court of Bharat. Plans for overall development of all citizens of Bharat were discussed. Brahmachari ji presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" to Shri Alok Ji and requested to find some time to read the book out of his busy schedule, Alok Ji assured reading it. Shri Alok Ji has also presented two very useful books to Brahmachari Ji.*

ब्रह्मचारी गिरीश ने विश्व हिन्दू परिषद् के माननीय अध्यक्ष श्री अलोक कुमार जी से भेंट की। माननीय अलोक जी माननीय सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता भी हैं। भारतीय नागरिकों के सर्वांगीण विकास की योजनाओं पर श्री अलोक जी से सार्थक चर्चा हुई। ब्रह्मचारी जी ने अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट की और अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकलकर पुस्तक पढ़ने का अनुरोध किया, जिसे माननीय अलोक जी ने स्वीकार किया। श्री अलोक जी ने भी दो बहुमूल्य पुस्तकें ब्रह्मचारी जी को भेंट कीं

महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश

## "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish"



*Brahmachari Girish Ji met Honorable Union Railway Minister Shri Ashwini Vaishnav Ji . Brahmachari ji briefed Honourable Minister about the programmes and activities of Maharishi Organisation and presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" and requested to read it at his convenience. Shri Vaishnav Ji happily accepted the book and said that he will go through it..*

ब्रह्मचारी गिरीश जी ने भारत सरकार के माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी से भेंट की एवं उन्हें महर्षि संस्थान के कार्यक्रमों तथा कार्ययोजनाओं के विषय में बताया। ब्रह्मचारी जी ने अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" माननीय मंत्री महोदय को भेंट करके सुविधानुसार इसे पढ़ने का अनुरोध किया। श्री वैष्णव जी ने प्रसन्नता पूर्वक पुस्तक ग्रहण की और इसे पढ़ने में रुचि व्यक्त की।

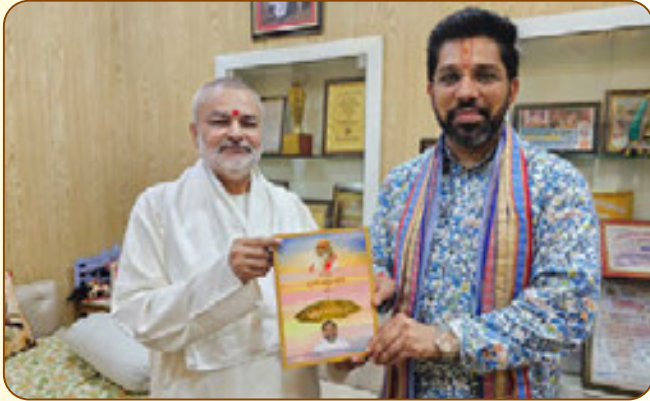


*Brahmachari Girish Ji with Shri Ved Prakash Sharma, Shri Shrikant Agasty, Shri Ramdev Dubey got a chance to have darshan of Pujya Sant and world renounced Katha Vachak Shri Murari Babu Ji and listening live Shriram Katha. Brahmachari ji presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" and Babu Ji has gone through some pages immediately and gave blessings. They also got the opportunity to participate in Aarti of Shri Ramayan Ji.*

ब्रह्मचारी गिरीश जी, श्री वेद प्रकाश शर्मा, श्री श्रीकांत अगस्ती, श्री रामदेव दुबे को पूज्य संत विश्व प्रसिद्ध कथा वाचक मुरारी बापू जी के प्रत्यक्ष दर्शन एवं श्रीराम कथा श्रवण का सुअवसर प्राप्त हुआ। ब्रह्मचारी जी ने पूज्य बापू को अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट की, जिसका अवलोकन उन्होंने तुरंत किया और अपना आशीर्वाद भी प्रदान किया। इस अवसर पर श्री रामायण जी की आरती करने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ।

## महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश

### "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish"



*Brahmachari Girish Ji has met with world renowned Katha Vachak and head of Vedic Yatra Pariwar of Vrindawan Bhagwat Kinkar Pundit Shri Anurag Krishna Shastri "Kanahiyaji" Ji. Brahmachari ji presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji." Shri Shastri Ji gave a tour of his Vedic school and cordially invited Brahmachari Ji to attend the birth centenary celebration of his Dada Guru Bhagwat Bhushan Puranacharya Pundit Shri Shrinath Shastri Ji, being organised from 1st October to 8th Oct.*

ब्रह्मचारी गिरीश जी को विश्व प्रसिद्ध कथा वाचक एवं वैदिक यात्रा परिवार वृंदावन के प्रमुख वैदिक पथिक भागवत किङ्कर श्री अनुराग कृष्ण शास्त्री "कन्हैयाजी" से भेंट का सुअवसर प्राप्त हुआ। ब्रह्मचारी जी ने शास्त्री जी को अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट की। इस अवसर पर शास्त्री जी ने अपनी वैदिक पाठशाला का भ्रमण कराया एवं १ अक्टूबर से ८ अक्टूबर तक वृंदावन में उनके दादा गुरु परम पूज्य भागवत भूषण पुराणाचार्य पंडित श्री श्रीनाथ शास्त्री जी के जन्म शताब्दी समारोह में सादर आमंत्रित किया।



*Brahmachari Girish Ji has met with senior and respected Bhagwatacharya, head of Shrimad Bhagwat Mandir Vrindavan Acharya Badrish Ji Maharaj. Many Vedic Scholars, Bhagwatacharyas, Students of Gurukuls and Journalists were present on the occasion of "Vipra Ekta Diwas". Brahmachari was welcomed with garlands and shawls by Acharyas. Brahmachari ji presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" to Acharya Ji and other scholars. Addressing all the people present, Brahmachari ji emphasized on the importance of spiritual development and the great need for spiritual practices for the all-round development of Indian citizens and the entire world family through India. Girish Ji further said that Atma is at the basis of life - the root of life and for success in all spheres of life, all attention should be given to nourish Atma-the Self. Shri Acharya Ji gave a tour of his Vedic Gurukul.*

ब्रह्मचारी गिरीश जी को वरिष्ठ प्रसिद्ध भागवताचार्य श्रीमद भागवत मंदिर वृंदावन के प्रमुख माननीय आचार्य श्री बद्रीश जी से भेंट का सुअवसर प्राप्त हुआ। "विप्र एकता दिवस" के अवसर पर अनेक वैदिक आचार्य, भागवताचार्य, विद्वान, पत्रकार एवं गुरुकुल के विद्यार्थी उपस्थित थे। आचार्य जी तथा विद्वानों ने पुष्पमालाओं, अंगवस्त्र से ब्रह्मचारी जी का स्वागत किया। समस्त उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए ब्रह्मचारी जी ने भारतवर्ष और भारत के माध्यम से समस्त विश्व परिवार के सर्वांगीण विकास के लिए आध्यात्मिक विकास और साधना का महत्व समझाया और आत्मा-जीवन के मूल को ही जीवन के समस्त क्षेत्रों में सफलता के लिए सिंचित करने पर बल दिया। ब्रह्मचारी जी ने आचार्य जी को तथा उपस्थित आचार्यों को अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट की। इस अवसर पर आचार्य जी ने अपनी वैदिक पाठशाला का भ्रमण कराया।

महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश

## "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish"



*Brahmachari Girish Ji with Shri Ved Prakash Sharma, met former union minister, present Member of Parliament from Noida and Head of famous Kailash Hospital in Noida Respected Dr. Mahesh Sharma Ji. Brahmachari ji presented flower bouquet and his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji". Dr. Sharma has gone through the book and gave all his best wishes for Maharishi Organisation.*

ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं श्री वेद प्रकाश शर्मा जी ने, पूर्व केंद्रीय मंत्री, नोएडा के वर्तमान सांसद व प्रसिद्ध कैलाश हॉस्पिटल के संचालक माननीय डॉक्टर महेश शर्मा जी से भेंट की। ब्रह्मचारी जी ने डॉक्टर शर्मा को पुष्पवृन्द एवं अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट की, जिसका अवलोकन उन्होंने तुरंत किया और महर्षि संस्थान के लिए अनेक शुभकामनायें प्रदान कीं।



*Brahmachari Girish Ji met with very senior leader of Maharishi Organisation Bharat and office bearer of many Maharishi Organisations respected Shri Ajay Prakash Shrivastava Ji, his son Shri Alok Shrivastava-TM and Siddhi Teacher and daughter Smt. Aditi Shrivastava-TM Teacher. Brahmachari ji presented flower bouquet and his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" to all and they have appreciated and congratulated Brahmachari Girish Ji for publication of this book.*

ब्रह्मचारी गिरीश जी ने महर्षि संस्थान भारत के अत्यंत वरिष्ठ सदस्य एवं अनेक महर्षि संस्थानों के माननीय पदाधिकारी श्री अजय प्रकाश श्रीवास्तव जी, उनके पुत्र ध्यान व सिद्धि शिक्षक श्री आलोक श्रीवास्तव तथा पुत्री ध्यान शिक्षिका श्रीमती अदिति श्रीवास्तव से भेंट की। ब्रह्मचारी जी ने सभी को अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट की, जिसकी सराहना सभी ने की।

*Brahmachari Girish ji met and presented his new book "Brahmachari Girish under the Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji" to Shri Navaratan Agrawal Ji, Head of Bikanerwal chain of restaurants and Bikano Namkeen.*

ब्रह्मचारी गिरीश जी ने प्रसिद्ध आहार श्रृंखला बीकानेरवाला एवं बीकानो नमकीन के प्रमुख श्री नवरत्न अग्रवाल जी से भेंट करके अपनी नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भेंट की।

# महर्षि संस्थान की वरिष्ठ महिला सदस्यों ने मनाया माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय रक्षामंत्री जी के साथ रक्षाबंधन महोत्सव



रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर महर्षि संस्थान की वरिष्ठ सदस्यी श्रीमती अनिता जोशी जी एवं अन्य महिला सदस्यों द्वारा भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी को राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया तथा साथ ही इस अवसर पर ब्रह्मचारी गिरीश जी द्वारा लिखित नयी पुस्तक "परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश" भी भेंट की। प्रधानमंत्री जी ने महर्षि शिक्षा संस्थान की आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय वैदिक परम्परा के विकास में महत्ती भूमिका की प्रशंसा की।



रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर महर्षि संस्थान की वरिष्ठ सदस्यी श्रीमती अनिता जोशी जी एवं अन्य महिला सदस्यों द्वारा भारत के माननीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह जी को राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया।

# महर्षि संस्थान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन



भोपाल में स्थित स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन दिनांक 07 सितम्बर को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी के नेतृत्व में भगवान श्रीकृष्ण के बाल गोपाल रूप की पूर्ण विधि-विधान के साथ पूजा की गई। इस उत्सव का आयोजन समस्त महर्षि संस्थानों में भी किया गया।

इस अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि “हमारे वैदिक संनातन धर्म में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु जी के आठवें अवतार के रूप में श्रीकृष्ण जी ने जन्म लिया था। इस शुभ अवसर पर लड्डू गोपाल एवं शालिग्राम की विशेष पूजा की जाती है एवं उनका अभिषेक किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के बाल गोपाल रूप की श्रद्धापूर्वक पूजा करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है और व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। ”

इस जन्माष्टमी उत्सव में महर्षि संस्थानों के सभी सदस्यों ने भाग लिया और साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम को [www.ramrajtv.in](http://www.ramrajtv.in) और **Ramrajtv YouTube** चैनल के माध्यम से ऑनलाइन भी देखा।



# महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन

महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। वैदिक परंपरा का निर्वहन करते हुये कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक गुरु परंपरा पूजन व दीप प्रज्वलन से किया गया। उसके पश्चात श्रीकृष्ण लीला का आयोजन किया गया। जिसमें की नन्हे मुन्हे बच्चे श्रीकृष्ण बनकर आये। श्रीकृष्ण लीला में श्रीकृष्ण का जन्म, माखन चोरी, कालिया वध, इंद्र का प्रकोप आदि कई रूप दिखाये गये ।



महर्षि विद्या मन्दिर छतरपुर



महर्षि विद्या मन्दिर छतरपुर



महर्षि विद्या मन्दिर अमरपाटन



महर्षि विद्या मन्दिर अमरपाटन



महर्षि विद्या मन्दिर-6 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-6 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर अल्मोड़ा



महर्षि विद्या मन्दिर अल्मोड़ा



महर्षि विद्या मन्दिर इंदौर



महर्षि विद्या मन्दिर इंदौर



महर्षि विद्या मन्दिर जम्मू



महर्षि विद्या मन्दिर जम्मू



महर्षि विद्या मन्दिर प्रतापपुर



महर्षि विद्या मन्दिर प्रतापपुर





महर्षि विद्या मन्दिर प्रयागराज



महर्षि विद्या मन्दिर प्रयागराज



महर्षि विद्या मन्दिर शहडोल



महर्षि विद्या मन्दिर शहडोल



महर्षि विद्या मन्दिर-1 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-1 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर हैदराबाद



महर्षि विद्या मन्दिर जबलपुर नेपियर टाऊन

# महर्षि संस्थान में श्रीगणेश चतुर्थी का आयोजन



श्री गणेश चतुर्थी के पावन पर्व के अवसर पर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम में महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी के नेतृत्व में भगवान श्रीगणेश जी की स्थापना कर वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ पूजा की गई। श्रीगणेश चतुर्थी महोत्सव का आयोजन महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम, महर्षि विश्व शांति आंदोलन और महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह द्वारा 19 से 28 सितम्बर अनंत चतुर्दशी के दिन तक किया गया।

इस अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी श्रीगणेश चतुर्थी के महत्व को बताते हुये कहा कि “पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र गणेश जी का जन्म जिस दिन हुआ था, उस दिन भाद्र मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी थी। इसलिए इस दिन को गणेश चतुर्थी और विनायक चतुर्थी नाम दिया गया। इस दिन भगवान गणेश के पूजन से घर में सुख समृद्धि और वृद्धि आती है।”

इस दस दिवसीय श्रीगणेश चतुर्थी महोत्सव का समापन 28 सितम्बर को श्रीअनंत चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा के विसर्जन के साथ हुआ जिसमें महर्षि संस्थानों के सदस्यों ने भाग लिया और साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम को [www.ramrajtv.com](http://www.ramrajtv.com) और **Ramrajtv YouTube** चैनल के माध्यम से ऑनलाईन भी देखा।



# महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों में गणेश उत्सव का भव्य आयोजन

महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों में श्री गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना की गई एवं वैदिक सनातन परंपरा का पालन करते हुये पूर्ण विधि विधान से भगवान गणेश का पूजन किया गया। उसके पश्चात भगवान गणेश की आरती की गई एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किय गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।



महर्षि विद्या मन्दिर नैनी प्रयागराज



महर्षि विद्या मन्दिर नैनी प्रयागराज



महर्षि विद्या मन्दिर-5 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-5 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर नैनीताल



महर्षि विद्या मन्दिर फतेहपुर

# Teachers' Day

Teachers' Day is celebrated annually on 5<sup>th</sup> September in all Maharishi Vidya Mandir Schools, Maharishi Colleges, Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya and Maharishi University of Management & Technology to mark the birthday of the country's former President, scholar, philosopher and Bharat Ratna, Dr. Sarvepalli Radhakrishnan, who was born on this day in 1888. On this special occasion students of Maharishi Vidya Mandir Schools expressed their gratitude towards their teachers for shaping their lives, through speeches, poems, songs and classical dances.



*Maharishi Vidya Mandir Aligarh*



*Maharishi Vidya Mandir Aligarh*



*Maharishi Vidya Mandir-5 Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-5 Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-6 Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-6 Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-1 Raipur*



*Maharishi Vidya Mandir-1 Raipur*



*Maharishi Vidya Mandir Ratanpur Bhopal*



*Maharishi Vidya Mandir Ratanpur Bhopal*



*Maharishi Vidya Mandir Naini Prayagraj*



*Maharishi Vidya Mandir Naini Prayagraj*



*Maharishi Vidya Mandir Fatehpur*



*Maharishi Vidya Mandir Fatehpur*

# विश्व हिन्दी दिवस

## सहिष्णुता और राष्ट्रवाद की भाषा 'हिन्दी'

14 सितम्बर 2023 को विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में प्राथमिक एवं सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों हेतु अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर विद्यालयों में हिन्दी पर निबंध एवं कविता लेखन का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।



महर्षि विद्या मन्दिर फतेहपुर



महर्षि विद्या मन्दिर फतेहपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-6 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-6 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-1 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर-1 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर तुमसर



महर्षि विद्या मन्दिर तुमसर



महर्षि विद्या मन्दिर नैनी प्रयागराज



महर्षि विद्या मन्दिर नैनी प्रयागराज



महर्षि विद्या मन्दिर सिलचर



महर्षि विद्या मन्दिर सिलचर



महर्षि विद्या मन्दिर उत्तरकाशी

# Maharishi World Peace Movement Organised International Day of Peace



With the Divine blessing of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji and under the guidance of Hon'ble Chairman of Maharishi Vidya Mandir Schools Group, Brahmachari Girish Ji, the 'International Day of Peace' and commencement of the academic session of Maharishi Institute of Management, Indore, was celebrated in all MVM Schools and in other Maharishi Institutes with great enthusiasm and fervor. The main celebration of International Day of Peace was organised at Labh Mandapam of Abhay Prashal, Indore Madhya Pradesh. It took place in the auditorium in which a large number of students, their parents, and dignitaries of the city were present.

The program was started with Guru Parampara Poojan, worship of Maa Saraswati and a melodious welcome song by the students of Maharishi Vidya Mandir Indore and Maharishi Institute of Management Indore. The guests were welcomed as per Vedic traditions. Director MIM Indore, Dr. Rakesh Chouhan presented the report on present activities and vision of MIM Indore.

On this occasion Brahmachari Girish Ji, Chairman of Maharishi Educational Institutions said that "Every individual first needs to be friend with his own Atma-his soul, because soul is the root of human life and without root a plant or tree cannot survive for long. We have our roots, our spiritual consciousness. Without its awakening, it is impossible to achieve real happiness in life. Out of seven states of consciousness, the most important is Transcendental Consciousness.



"In today's time, a common man is not able to perform many tasks of daily life simultaneously, but twice daily practice of Transcendental Meditation provides a lot to a person in few minutes. The most revered His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji has never talked about peace in a small place, city, state or a country but world peace for our dear global family and welfare of every individual on earth. Going beyond the boundaries of time and space, Maharishi Ji has inspired the world family for



welfare of the society at large."

"To take plans and programmes of Maharishi Ji forward, we have established Maharishi World Peace Movement with the objective to make human life around the world a mistake-free life, problem-free life, peaceful life. There are three types of peace: aadhyatmik (Spiritual) peace, aadhidaivik (Cosmic) peace and aadhibhoutik (Material) peace. As common persons, we first try to achieve material peace whereas our aim should be to achieve all the three."

He congratulated all the students for joining Maharishi Institute of Management Indore to gain 200% benefits- 100% physical and 100% mental through regular practice of TM along with modern education.

Addressing the august gathering, Dr. Rakesh Chouhan, Director MVM Indore, said that "Maharishi's philosophy of "Do not perform actions which potentially lead to an unsustainable, catastrophic future. We should not only try to correct them but prevent social and environmental problems before they begin. " हेयम् दुःखम् अनागतम् " "Heyam Dukham Anagatam" (Avert the danger that has not yet come) should be our motto in our life. This approach is based on age-old Vedic Technology of "Prevention oriented defense".



He further said that "under the guidance of Brahmachari Girish Ji institute is planning to start new courses in the upcoming session to serve students in a better manner which would help them in coping up with the rapid changes coming in the industries."

Padmashree Dr. Janak Palta Magligan was the chief guest of the programme and international poet Professor Rajeev Sharma and Dr. Rajeev Dixit DCDC, Devi Ahilya University were the special guests. The programme was also attended by Shri V. R. Khare, Shri U. Prakasham, Smt. Reeta Prakasham, Shri Yatish Saxena, Shri Manish Mandlik, Shri Ramdev Debey, Shri Vipin Dwivedi, Smt. Arya Nandkumar and Smt. Anita Bhargav from the national office of the Maharishi Organization.

The welcome address was given by Principal Dr. Dashrath Singh Chauhan. Head of Department, Prof. Shiv Yadav did the welcome of all guests and the programme was conducted by Dr. Priya Azad. Vote of thanks was given by Prof. Tina Parmar. A large number of professors, teachers, students and many dignitaries including Principals of Maharishi Vidya Mandir schools Rau & Tukoganj Indore were present in the programme.

***Jai Guru Dev, Jai Maharishi***

# PHOTO GALLERY OF INTERNATIONAL DAY OF PEACE 2023



# Maharishi Vidya Mandir Schools Group Celebrate International Day of Peace

With the divine blessings of Shri Gurudev and His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji and under the able guidance of Brahmachari Girish Ji, Hon'ble Chairman MVM, School Groups, International Day of Peace was celebrated with great fervor and enthusiasm in all MVM schools across the country on 21<sup>st</sup> September 2023. The photographs of the celebration are given below :



*Maharishi Vidya Mandir Fatehpur*



*Maharishi Vidya Mandir Fatehpur*



*Maharishi Vidya Mandir Basti*



*Maharishi Vidya Mandir Basti*



*Maharishi Vidya Mandir Hyderabad*



*Maharishi Vidya Mandir Hyderabad*



Maharishi Vidya Mandir-3 Jabalpur



Maharishi Vidya Mandir-3 Jabalpur



Maharishi Vidya Mandir Raygada



Maharishi Vidya Mandir Raygada



Maharishi Vidya Mandir Uttarkashi



Maharishi Vidya Mandir Uttarkashi



Maharishi Vidya Mandir Naini Prayagraj



Maharishi Vidya Mandir Naini Prayagraj



*Maharishi Vidya Mandir Thiruvannamalai*



*Maharishi Vidya Mandir Thiruvannamalai*



*Maharishi Vidya Mandir Aligarh Main*



*Maharishi Vidya Mandir Aligarh Main*



*Maharishi Vidya Mandir Almora*



*Maharishi Vidya Mandir Almora*



*Maharishi Vidya Mandir Balaghat*



*Maharishi Vidya Mandir Balaghat*



*Maharishi Vidya Mandir Chattarpur*



*Maharishi Vidya Mandir Chattarpur*



*Maharishi Vidya Mandir Chikmangalur*



*Maharishi Vidya Mandir Tumsar*



*Maharishi Vidya Mandir-5 Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-5 Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-6 Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-6 Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir Prayagraj KPM*



*Maharishi Vidya Mandir Trilanga Bhopal*



*Maharishi Vidya Mandir Ratanpur Bhopal*



*Maharishi Vidya Mandir Ratanpur Bhopal*



*Maharishi Vidya Mandir Shahdol*



*Maharishi Vidya Mandir Shahdol*



*Maharishi Vidya Mandir Thanjavur*



*Maharishi Vidya Mandir Thanjavur*

# Academic & Co-curricular events of Maharishi Vidya Mandir Schools Group

## Maharishi Vidya Mandir Shahdol



Dr. Bhavana Tiwari, Principal Maharishi Vidya Mandir Shahdol presented Brahmachari Girish Ji's book 'Brahmachari Girish Under Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji' to Shri Dinesh Chand Sagar, Additional Director General of Police (ADGP), Shahdol Zone, Madhya Pradesh.



Dr. Bhavana Tiwari, Principal Maharishi Vidya Mandir Shahdol presented Brahmachari Girish Ji's book 'Brahmachari Girish Under Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji' to Shri Rajeev Sharma, Commissioner, Shahdol, Madhya Pradesh.

## Maharishi Vidya Mandir NOIDA



Introductory Lecture on T. M. was organised in Sector 35 RWA Noida. On This occasion book written by Hon'ble Chairman Brahmachari Girish Ji was presented to Social activist Shri N. P. Singh president of CAPSI and DDRWA NOIDA.



## एम.वी.एम. छतरपुर में अभियान 'पहली रोटी गाय की' चलाया गया



'सार्थक प्रयास समिति' द्वारा 'पहली रोटी गाय की' अभियान चलाया जा रहा है जिसमें बच्चे अपने घर से एक रोटी अतिरिक्त लाकर विद्यालय परिसर में रखे वर्तन में डालते हैं एवं सार्थक प्रयास समिति के द्वारा इन रोटियों को एकत्रित कर उन्हें गौशाला भेज कर, गौ माता को खिलाया जाता है। इस अभियान का दिनांक 11 सितंबर 2023 को महर्षि विद्या मंदिर, छतरपुर से प्राचार्य श्री सी. के. शर्मा जी के आतिथ्य में शुभारंभ किया गया।



## Maharishi Vidya Mandir Silchar (Assam)



*On the occasion of Teacher's Day, teachers and staff of Maharishi Vidya Mandir Silchar donated blood to Katcher Cancer Hospital.*

## Maharishi Vidya Mandir Bhandara



*Bhandara District police organised debate competition in which students of MVM Bhandara got 2nd, 3rd and 4th position. Students received prizes form Shri Lohit Matani, IPS, SP Bhandara*



*Maharishi Vidya Mandir, Bhandara students participated in Veer Gatha Project by CBSE. Students of Class 1st to 12th participated and in each category students of MVM Bhandara got E-Certificate.*

## Maharishi Vidya Mandir Shipkhuri Guwahati



Students of Maharishi Vidya Mandir Shipkhuri Guwahati participated in the "Ramdhenu Model United Nations" organized by Srishti Socio Cultural Organization in collaboration with Ministry of Education Govt. of Assam, at Pandu College, Maligaon, Guwahati on 9<sup>th</sup> and 10<sup>th</sup> September 2023. MVM-I Silpukhuri secured Best Institution Award along with many other achievements by students like Best Delegate and Verbal Recognition (Aippm) etc.



Smt. Julee Baruah P.G.T Biology of Maharishi Vidya Mandir Silpukhuri was awarded the best teacher award by Sahodaya Guwahati Chapter on the eve of Teachers Day.

## Maharishi Vidya Mandir Sultanpur



Felicitation Ceremony was organized at Maharishi Vidya Mandir Sultanpur for Kumari Jehanavi Verma Ex-Student of Maharishi Vidya Mandir Sultanpur who secured 5<sup>th</sup> position at UP PCS J state level exam.

## Maharishi School of Excellence, Chennai



*Maharishi School of Excellence Senior Secondary School organized Annual Sports Meet 2023. The chief guest of the event was Shri P. Sundaravadivel Superintendent of police (SP) who encouraged the students for their better future.*

## Maharishi Vidya Mandir Hardoi



*The students of Maharishi Vidya Mandir Hardoi celebrated Raksha Bandhan with police officers in their office. The students applied tilak and tied raksha sutra to them.*

## महर्षि विद्या मन्दिर, नैनी प्रयागराज



उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पी.सी.एस.-जे. 2022 के अंतिम परिणाम घोषित होने पर महर्षि विद्या मन्दिर नैनी के पूर्व छात्र श्री शिशर यादव ने अपने पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त की एवं मेरिट रैंकिंग में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं शिक्षकों को दिया। उन्होंने कहा कि परम् पूज्य महर्षि जी द्वारा प्रदत्त भावातीत ध्यान के नियमित अभ्यास से उन्हें एकाग्रता एवं अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सुगमता हुई जिसके कारण उन्हें प्रथम प्रयास में ही सफलता अर्जित हुई।

## महर्षि विद्या मन्दिर के निदेशक मण्डल ने खजराना गणेश मंदिर के दर्शन किये



महर्षि विद्या मन्दिर के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी के सानिध्य में राष्ट्रीय निदेशक मंडल के सदस्यों ने इंदौर के प्रसिद्ध श्री खजराना गणेश जी के दर्शन करने सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर ब्रह्मचारी गिरीश जी ने विश्व परिवार के सदस्यों के कल्याण के लिए प्रार्थना की।

## महर्षि विद्या मन्दिर, प्रयागराज



प्रयागराज में आयोजित 'वगीशा' नृत्य प्रतियोगिता में महर्षि विद्या मन्दिर, नैनी प्रयागराज की छात्राओं ने भाग लिया एवं इस प्रतियोगिता में दूसरा स्थान अर्जित कर विद्यालय तथा महर्षि संस्थान का मान बढ़ाया।

# E-Gyan Digital Newsletter

## *Best wishes for Maharishi Gyan Yug Diwas Celebrations*

Dear Readers,

We are very pleased to release 172<sup>nd</sup> Edition of E-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of E-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of E-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the E-Gyan pages.

E-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send E-Gyan matters so that they are received by us before 15<sup>th</sup> of every month. E-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people's representative and other members of the civil societies.

### **E-Gyan Monthly News Letter contains the following:**

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi puja or vastu puja or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.

17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
18. Offering Vedic solution to any social problem.
19. Performance of any special Anushthan or Yagyas.
20. Vedic celebration reports.
21. Excursion tour reports.
22. Corporate visit, corporate training etc.
23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
25. Report on academic or commercial collaborations.
26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.
28. Report on activities of Maharishi Global Movement.
29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail [cpr@mssmail.org](mailto:cpr@mssmail.org) as word document file or in a CD to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed (“Times New Roman” font for English and “Devnagri” or “Chanakya” font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it’s readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site [www.e-gyan.net](http://www.e-gyan.net).

With All the Best Wishes  
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

**V. R. Khare**  
For Editorial Board,  
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

*Copyright © 2023 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan*  
*All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of Maharishi Ved Vigyan Prakashan.*  
*Maharishi Ved Vigyan Prakashan, Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, Phone: +91 755 4087300*